AUDIO VIDEO Play

भजन

दरबार साहिब का खुला है और हजूर हैं सामने
मौकाए किस्मत मिला है और हजूर हैं सामने

1- दीन वालो आज समझो ये हकीकी बात है
राजस्यामा जी हैं बैठे और सुन्दरसाथ हैं
मुक्ति का द्वारा खुला है और हजूर हैं सामने

2- राहे हक में आती हैं मुश्किलें ऐसी अनेक
दूध पीते मजनूं लाखों पर मिटने वाला कोई एक
मिट गया वह मिल गया है अक्षरातीत के धाम में

3- जामे शर्बत मौत का साकी पिलाते हैं उन्हें
दुनियां को मुरदार समझा प्रीत प्रीतम से जिन्हें
कर दिया घायल है हमको साकी के इस जाम ने